विराट वैभव
नई दिल्ली, शुक्रवार, 21 फरवरी 2020

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

पूरे विश्व में मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

आधुनिक हिंदी के महत्तवपूर्ण कवि भारतेंदु हरिश्चद्र ने लिखा है निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।

मातृभाषा के इस प्रयोजन और महत्तव को सभ्यता के आरंभ से ही महसूस किया जाता रहा है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को सम्पूर्ण विश्व में मनाया जाता है। बाङ्ला भाषा की अस्मिता की रक्षा के लिए 21 फरवरी 1952 को ढाका में शहीद हुए नवयुवकों की स्मृति को नमन करते हुए 1999 में यूनेस्को द्वारा 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई। साहित्य अकादेमी भारतीय भाषाओं के संवर्धन और विकास के लिए 1954 से निरंतर कार्य कर रही है। अकादेमी द्वारा पिछ्ले कुछ दशकों से उन भाषाओं के साहित्य और लेखकों को लेकर पूरे देश में प्रचुर गतिविधियां आयोजित की जाती रही है, जिन भाषाओं को अकादेमी की मान्यता प्राप्त नहीं है। ऐसी भाषाओं के लेखकों के साथ अकादेमी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है।

बहुभाषी कवि सम्मेलन आज

नई दिल्ली, 20 फरवरी (ब्यूरो): अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर साहित्य अकादमी द्वारा आज कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अकादमी के प्रधान कार्यालय दिल्ली में बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न भाषाओं के महत्वपूर्ण कवि भागीदारी करेंगे। अकादमी के इम्फाल परिसर में अखिल भारतीय कविता उत्सव, कोलकाता, मुंबई, बेंगलुरू तथा चेन्नई कार्यालयों में भी बहुभाषी कवि सम्मेलन आयोजित होगा। अकादमी ने बताया कि बांग्ला भाषा की अस्मिता की रक्षा के लिए 21 फरवरी 1952 को ढाका में शहीद हुए नवयुवकों की स्मृति को नमन करते हुए 1999 में यूनेस्को द्वारा 21 को अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई।

नवोदय टाइम्स
Fri, 21 February 2020
epaper.navodayatimes.in/c/49229

लोकसत्य
सत्य के संग, असत्य से जंग

एजुकेशन | कला-संस्कृति | दिल्ली | दिल्ली | देश | राज्य

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर साहित्य अकेडमी आयोजित करेगी कई कार्यक्रम

February 20, 2020

फाइल फोटो-साभार गूगल

नई दिल्ली, लोकसत्य। आधुनिक हिंदी के महत्त्वपूर्ण कवि भारतेंदु हरिश्चंद्र ने लिखा है-निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। मातृभाषा के इस प्रयोजन और महत्त्व को सभ्यता के आरंभ से ही महसूस किया जाता रहा है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को सम्पूर्ण विश्व में मनाया जाता है। बाङ्ला भाषा की अस्मिता की रक्षा के लिए 21 फरवरी 1952 को ढाका में शहीद हुए नवयुवकों की स्मृति को नमन करते हुए 1999 में यूनेस्को द्वारा 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई। साहित्य अकादेमी भारतीय भाषाओं के संवर्धन और विकास के लिए 1954 से निरंतर कार्य कर रही है। अकादेमी द्वारा पिछले कुछ दशकों से उन भाषाओं के साहित्य और लेखकों को लेकर पूरे देश में प्रचुर गतिविधियाँ आयोजित की जाती रही है, जिन भाषाओं को अकादेमी की मान्यता प्राप्त नहीं है। ऐसी भाषाओं के लेखकों के साथ अकादेमी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है तथा अकादेमी द्वारा भाषा सम्मान नामक पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के महत्त्व को देखते हुए अकादेमी द्वारा इस वर्ष भी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। पूर्वोत्तर भारत में जहाँ अनेक छोटी और बडी भाषा और उनके बोलने वाले लोग मौजूद है, वहाँ विभिन्न भाषाओं के लेखकों के साथ सम्पूर्ण भारत से आए महत्वपूर्ण लेखकों को भी शामिल करते हुए अखिल भारतीय कविता उत्सव का आयोजन इम्फाल में किया जा रहा है। अकादेमी द्वारा प्रधान कार्यालय नई दिल्ली तथा क्षेत्रीय कार्यालयों कोलकाता, मुंबई, बेंगलूरु तथा चेन्नै कार्यालयों में बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में देश की विभिन्न भाषाओं के महत्त्वपूर्ण कवि भागीदारी करेंगे।